छत्तीसगढ़ी भासा कार्यसाला

दिनांक : 15 नवम्बर 2022

एक नवम्बर के दिन रहीस, जब छत्तीसगढ़ राज हर बनीस; अउ अठाईस नवम्बर के दिन रहीस, जब छत्तीसगढ़ी भासा ल अपन मानेन। लेकिन मानेच ल कछु नी होय। एला जाने बर घलो लागही। आजकाल के लईकामन बड़खा–बड़खा इस्कुल कालेज म जात हें अउ अपन के भासा ल भुलात जात हें। ''नांगर, ढेकी, जाता; काकी, बड़ी, भांचा'' ल भुलाथें। ये सबला हमन ल जाने बर पड़ही, छत्तीसगढ़ के संसकिरती ल संजो के राखे बर पड़ही। एकरी सेथी यूनीवर्सिटी हर घलो बीए आखिरी अउ एमए के आखिरी पेपर म छत्तीसगढ़ी ल राखे हे। छत्तीसगढ़ राज और छत्तीसगढ़ी भासा के मान राखे खतिर खरसिया कालेज के हिन्दी विभाग के बड़खा गुरूजी डाकटर रमेस टण्डन हर एक ठन कार्यसाला राखे के उदिम करिस। पन्दरा तारीख के छत्तीसगढ़िया रोंठा गोठकार–गोठकारिन मन ल एहा अपन कालेज म बुलाइस अउ एमए के लईका मन के आघू म ओमन के गोठ ला सुनाइस। छत्तीसगढ़ी भासा के सकलोइया दिनेस संजय हर अघवा बन के पहुना मन करा छत्तीसगढ़ी महतारी के पूजा कराइस, फेने कौसिलया अउ नमिता मन राजगीत ला गाइन। कालेज लइकामन सबो पहुना मन ला दीया आरती दिखा के, टिका लगा के सुवागत करीन।

डाकटर रमेस टण्डन हर सबझन ल चिनहाइस, तेकर पीछू अघवा गोठकारीन बंदना जायसवाल मेडम हर अपन गोठ ल बताइस कि कइसे छत्तीसगढ़ के इतिहास रहीस, इहां के लिखोइया मन कइसन आघू बढ़ीन। रइगढ़ के लिखोइया डाकटर बलदेव के बारे म घलो एहर बताइस। एहर बने असन एक ठन गीत भी गाईस। एखर पाछू सरोजनी डडसेना हर अपन गुरतुर बोली म बनेच अकन गोठयाइस, अपन के लिखे कविता ल घलो एहर सुनाइस। एला भी लईका मन बने पतियाईन अउ पोठ ताली बजाइन। भीड़ ल देख के एमन के पतिदेव लक्ष्मीनारायण हर घलो दुठन गीत हारमोनिया तबला संग गाईस। आखिर म चन्दरपुर के प्रोफेसर चरणदास बर्मन हर अपन के पारी म छत्तीसगढ़ी भासा के बारे म गोठियात–गोठियात तीन ठन छत्तीसगढ़ी ददरिया हारमोनिया तबला मंजीरा संग गुरतुर बोली म गा के सुनाईस – ''टूरी काबर तैं मोला मोहनी खवाय, घेरी बेरी तोरेच सुरता मोला आए''। तबलची

अमर सिंह लहरे, जगमोहन जायसवाल मन भी हमर पहुना बनीन। कालेज के मुखिया डाकटर राकेस तिवारी हर घलो छत्तीसगढ़ी भासा ल बने कहीस। प्रोफेसर जयराम कुर्रे हर घलो एक ठन गजल कहीस। विभाग के पहुना गुरूजी डाकटर आकांक्षा अउ पिरयंका, सोनया, रूकमनी, रेसमा, विवेक, मुकेस, अनिल, हीना, निसा, सूरज, कीरतन, टिंकल, अनीसा, धनेसरी समेत तीन कोरी ले जादा लईकामन पहुनामन के गोठबात के मजा लीन अउ बनेच कन सीखके गदगद होइन। छेधा म जयराम कुर्रे गुरूजी हर झन ल जय जोहार करके बिदा करीस।

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978515°
Long 83.112144°
15/11/22 12:55 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia,
Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978493°
Long 83.112018°
15/11/22 12:46 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978529°
Long 83.112178°
15/11/22 12:52 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.97853°
Long 83.112176°
15/11/22 12:51 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978526°
Long 83.112149°
15/11/22 12:54 PM GMT +05:30
Google

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raigarh - 18 Nov 2022 - 18rag 3

कलेक्टर डॉ फरिहा ऑलम सिद्दकी से सौजन्य मुलाकात की।

हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा पर कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर । खरसिया। एक नवम्बर के दिन रहीस, जब छत्तीसगढ़ राज हर बनीस; अउ अठाईस नवम्बर के दिन रहीस, जब छत्तीसगढ़ भासा ल अपन मानेन। लेकिन मानेच ल कछु नी होय। एला जाने बर घलो लागही। आजकाल के लईकामन बड़खा-बड़खा इस्कुल कालेज म जात हें अउ अपन के भासा ल भुलात जात हें। ''नांगर, ढेकी, जाता; काकी, बड़ी, भांचा'' ल भुलाथें। ये सबला हमन ल जाने बर पढ़ही, छत्तीसगढ़ के संसकिरती ल संजो के राखे बर पड़ही। एकरी सेथी यूनीवर्सिटी हर घलो बीए आखिरी अउ एमए के आखिरी पेपर म छत्तीसगढ़ ल राखे हे। छत्तीसगढ़ राज और छत्तीसगढ़ भासा के मान राखे खतिर खरसिया कालेज के हिन्दी विभाग के बड़खा गुरूजी डाकटर रमेस टण्डन हर एक ठन कार्यसाला राखे के उदिम करिस। पन्दरा तारीख के छत्तीसगढ़ रोंठा गोठकार-गोठकारिन मन ल एहा अपन कालेज म बुलाइस अउ एमए के लईका मन के आघू म ओमन के गोठ ला सुनाइस। छत्तीसगढ़ भासा के सकलोइया दिनेस संजय हर अघवा बन के पहुना मन करा छत्तीसगढ़ महतारी के पूजा कराइस, फेने कौसिलया अउ नमिता मन राजगीत ला गाइन। कालेज लइकामन सबो पहुना मन ला दीया आरती दिखा के, टिका लगा के सुवागत करीन। डाकटर रमेस टण्डन हर सबझन ल चिनहाइस, तेकर पीछू अघवा गोठकारीन बंदना जायसवाल मेडम हर अपन गोठ ल बताइस कि कइसे छत्तीसगढ़ के इतिहास रहीस, इहां के लिखोइया मन कइसन आघू बढ़ीन। रइगढ़ के लिखोइया डाकटर बलदेव के बारे म घलो एहर बताइस। एहर बने असन एक ठन गीत भी गाईस। एखर पाछू सरोजनी डडसेना हर अपन गुरतुर बोली म बनेच अकन गोठयाइस, अपन के लिखे कविता ल घलो एहर सुनाइस। एला भी लईका मन बने पतियाईन अउ पोठ ताली बजाइन।